भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3026
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

ग्रीनफील्ड विमानपत्तन

3026. श्री ज्ञानेश्वर पाटील:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों में निर्माणाधीन ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों की संख्या कितनी है तथा उनका परिचालन शुरू करने के लिए क्या संभावित समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ख) देश में, विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में, नए विकसित विमानपत्तनों पर सौर ऊर्जा क्षमता और संधारणीय विमानन ईंधन अवसंरचना के एकीकरण सहित संधारणीय विमानन प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त विमानपत्तन परियोजनाओं के द्वारा राज्य-वार, विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के लिए रोजगार के कितने अवसर सृजित होने की संभावना है और इनसे कितना आर्थिक लाभ प्राप्त होगा?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने देश के विभिन्न राज्यों में 25 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी प्रदान कर दी है। इनमें से 14 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों को कार्यशील कर दिया गया है।

हवाईअड्डों के निर्माण की समय-सीमा भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरियों, बाधाओं को दूर करने, वित्तीय समापन आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है।

(ख): नागर विमानन मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा विकासकर्ताओं को कार्बन न्यूट्रैलिटी और नेट जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने की सलाह दी है। इसमें सौर ऊर्जा/बिजली सहित नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग शामिल है।

संधारणीय विमानन ईंधन (एसएएफ) एक ड्रॉप-इन ईंधन है और इसके उपयोग के लिए किसी समर्पित हवाईअड्डा अवसंरचना की आवश्यकता नहीं है। एसएएफ को लागू ईंधन विनिर्देशों के अनुसार रिफाइनरी स्तर पर विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) के साथ मिलाया जाता है और मौजूदा विमानन ईंधन आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से इसकी आपूर्ति हवाईअड्डों को की जाती है।

(ग) : हवाईअड्डे आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं और उस राज्य की अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव डालते हैं। हवाईअड्डों के विकास से यात्रियों की आवाजाही, पर्यटन विकास, रोजगार सृजन और भूमि मूल्यांकन की सर्कल दरों में वृद्धि होती है, जिससे संबंधित राज्य में विभिन्न करों/स्टांप शुल्क आदि के संग्रह में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के अध्ययन से पता चलता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.25 और रोजगार गुणक 6.1 है।

******